

SHRI BASUDEB ACHARIA : I want to know whether separation of Tele-Communication is a prelude to hand over the tele-com. services to private management or public corporate sector.

SHRI V.N. GADGIL : I have said that there is no decision as yet, there is no split decided. Therefore, it is a hypothetical question whether it will go to private enterprise or public enterprise. No such decision has been taken.

MR SPEAKER : Prof. Ranga

PROF. N.G. RANGA : I am satisfied with the answer.

SHRI D.K. NAIKAR : The main issue in this connection is about the service conditions of the employees serving in the different departments. The Minister is already aware that the people who are serving in the Telephones, they cannot be utilised for Posts and Telegraphs and similarly, those people who are serving in the Posts and Telegraphs cannot be utilised in the Telephones. Now, what is the combined effect of not bifurcating the Department? Here telephone is not an essential service. Even you can demand any amount of deposit and they give it and mostly the services are made available in urban areas, whereas so far as the Posts and Telegraph offices are concerned, they are essentially needed for the rural people. Therefore, there is the annual price rise for the services in both the Departments.

I, therefore, request the hon. Minister to let us know what is his view and what are the difficulties in bifurcating the two Departments, even to improve the efficacy in this connection?

SHRI V.N. GADGIL : I have already mentioned the complexity of the problem. It will affect a large number of people and therefore, you cannot decide it in a hurry.

टेलीविजन कार्यक्रमों के प्रसारण के लिये कम शक्ति वाले ट्रांसमीटर लगाना

*123. श्री सत्य नाराय जटिया : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि देश में 1983-84 के दौरान टेली-विजन कार्यक्रमों के प्रसार के अन्तर्गत राज्य-वार किन-किन स्थानों पर कम शक्ति वाले ट्रांसमीटर लगाये जायेंगे ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI H.K.L. BHAGAT).

A statement showing State-wise names of the places where low-power (100 Watt) T.V. transmitters are proposed to be installed in the country during the Sixth Plan period, is laid on the Table of Lok Sabha.

STATEMENT

Government has recently approved establishment of 113 low power transmitters and 13 high power T.V. transmitters during the VI Plan period. These are in addition to the 13 high power transmitters already under execution as part of approved VI Plan Projects.

A list of 118 places, where low power T.V. transmitters are proposed to be set up is at Annexure. Of these, low power transmitters at five places are proposed to be installed after high power transmitters are established at Agartala, Patna, Bhopal, Indore and Jammu. Low power transmitters are already operating at these places at present.

ANNEXURE

<i>S. No.</i>	<i>Location</i>	<i>State/Union Territory</i>
1	2	3
1.	Dibrugarh	Assam
2.	Tezpur	
3.	Warangal	Andhra Pradesh
4.	Rajamundry	
5.	Nellore	
6.	Nizamabad	
7.	Kurnool	
8.	Anantapur/Produtur	
9.	Tirupati	
10.	Adoni	
11.	Cuddapah	
12.	Mehboobnagar	
13.	Karimnagar	
14.	Dhanbad	Bihar
15.	Jamshedpur	
16.	Gaya	
17.	Bhagalpur	
18.	Darbhanga	
19.	Munger	
20.	Purnea	
21.	Bettiah	
22.	Surat	Gujarat
23.	Vadodra	
24.	Bhavnagar	
25.	Navasari	
26.	Bhruch	
27.	Patan	
28.	Hissar	Haryana
29.	Bhiwani	
30.	Hubli/Dhanwad	Karnataka
31.	Mysore/Mandya	
32.	Mangalore	
33.	Belgam	
34.	Bellary	
35.	Devanagere	
36.	Shimoga/Bhadrawati	
37.	Bijapur	
38.	Raichur	
39.	Gadag Betgari	
40.	Hospet	
41.	Calicut	Kerala
42.	Cannanore	
43.	Palghat	
44.	Jabalpur	Madhya Pradesh
45.	Gwalior	
46.	Ratlam	
47.	Sagar	

1	2	3
48.	Burhanpur	
49.	Rewa	
50.	Murwara	
51.	Bilaspur	
52.	Korba	
53.	Singrauli (Waidhan)	
54.	Sholapur	Maharashtra
55.	Nasik	
56.	Kolhapur	
57.	Aurangabad	
58.	Sangli	
59.	Amravati	
60.	Malegoan	
61.	Akola	
62.	Dhule	
63.	Nanded	
64.	Ahmednagar	
65.	Jalgaon	
66.	Jalna	
67.	Bhusawal	
68.	Chandrapur	
69.	Latur	
70.	Parbhani	
71.	Gondiya	
72.	Loktak	Manipur
73.	Rourkela	Orissa
74.	Berhampur	
75.	Koraput	
76.	Jodhpur	Rajasthan
77.	Ajmer	
78.	Kota	
79.	Bikaner	
80.	Udaipur	
81.	Alwar	
82.	Ganganagar	
83.	Bhilwara	
84.	Khetri	
85.	Jaisalmer	
86.	Barmer	
87.	Pathankot	Punjab
88.	Tiruchirapalli	Tamil Nadu
89.	Salem	
90.	Vellore	
91.	Thanjavur/Kumbakonam	
92.	Coimbatore	
93.	Nayveli	
94.	Bareilly	Uttar Pradesh
95.	Moradabad	
96.	Aligarh	
97.	Jhansi	
98.	Sultanpur	
99.	Rae-Bareilly	

1	2	3
100.	Faizabad	
101.	Etawah	
102.	Behraich	
103.	Shahnahanpur	
104.	Rampur	
105.	Pauri	
106.	Farukhabad	
107.	Sambhal	
108.	Nainital	
109.	Kharagpur	West Bengal
110.	Bardhaman	
111.	Siligiri	
112.	Balurghat	
113.	Shantiniketan	
114.	Kulu	Himachal Pradesh
115.	Leh	Jammu & Kashmir
116.	Kargil	
117.	Tura	Meghalaya
118.	Pondicherry	Pondicherry (UT)

श्री सत्य नारायण जटिया : अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी ने छठी पंचवर्षीय योजना के तहत किन-किन स्थानों पर लो पावर स्टेशन लगाए जाएंगे, उसकी जानकारी दी है लेकिन डिटेल्ड प्रोग्राम कि कब कब, कहां कहां, किस किस वर्ष में कितने कितने ट्रांसमीटर लगाए जायेंगे, इसकी जानकारी नहीं दी है। उन्होंने हाईवेयर सेक्शन की जानकारी दी है लेकिन साफ्ट वेयर सेक्शन की जानकारी नहीं दी है जिसमें स्टूडियो और प्रोग्राम वगैरह कवर होते हैं। हमारे यहां हालत इतनी खराब है कि केवल सिनेमा, चित्रहार और कुछ नाटक वगैरह ही लोकप्रिय हैं, बाकी टी० वी० के अपने कोई मौलिक कार्यक्रम नहीं दिखाए जाते हैं। दिल्ली टी० वी० का अपना स्टूडियो नहीं है। इस तरह से मन्त्री जी ने केवल हाईवेयर सेक्शन की ही जानकारी दी है, साफ्टवेयर सेक्शन की जानकारी नहीं दी है। मेरा प्रश्न यह है कि लो पावर ट्रांसमीटर, जिनकी 100 वाट की क्षमता है, कितनी दूरी तक दूरदर्शन का दर्शन कराने में रेडियल डिस्टेंस कवरेज होगी तथा हाई पावर ट्रांसमीटर जहां जहां लगा रहे हैं वे कितनी क्षमता के होंगे तथा उनका रेडियल डिस्टेंस कवरेज कितना होगा ?

अध्यक्ष महोदय : फाजिल्का में लगा रहे हैं

या नहीं, यह भी पूछ लीजिये।

श्री एन० के० एल० भगत : पहले मैं स्पीकर साहब के सवाल का जवाब ही देता हूं कि भटिण्डा में हाई पावर ट्रांसमीटर लगाया जा रहा है जो फीरोजपुर डिस्ट्रिक्ट (उसमें अबोहर और फाजिल्का भी शामिल है) और पंजाब के कुछ दूसरे डिस्ट्रिक्ट्स को भी कवर करेगा। मैं यह भी बता दूँ, पता नहीं स्पीकर साहब नाराज होंगे या खुश, उन्होंने पत्र भी लिखा था और मैं उन्हें जवाब भी दे रहा हूं।

जटिया साहब ने जो पूछा है, मैं तो सोच रहा था कि वे मुझे बधाई देंगे...

श्री सत्य नारायण जटिया : मैं बधाई दे चुका हूं, फिर बधाई दे रहा हूं।

श्री एच० के० एल० भगत : जटिया साहब ने यह कहा कि जवाब हाईवेयर का दिया गया तो आपने सवाल ही हाईवेयर का पूछा था, साफ्ट वेयर का पूछा ही नहीं था। मेरे पास साफ्टवेयर का भी जवाब है कि कितने प्रोडक्शन सेन्टर वगैरह हैं लेकिन उसको बताने में समय लगेगा पता नहीं स्पीकर साहब उसके लिए एलाऊ करेंगे या नहीं। मोटे तौर पर मैं यह कहना चाहता हूं कि साफ्टवेयर के बारे में गवर्नमेंट पूरी तरह से कांशस है कि

हार्डवेयर के इतने बड़े एक्सपेंशन के बाद साफ्ट-वेयर होना चाहिए, अच्छे प्रोग्राम होने चाहिए। सारे देश में टी० वी० के प्रोडक्शन सेन्टर्स और प्रोग्राम को इम्प्रूव करने के प्लान पर सरकार विचार कर रही है। तीसरी बात आपने रेंज के बारे में पूछी है। लोअर ट्रांसमीटर का रेंज 10 से 15 किलो मीटर के दरमियान होगा, लेकिन बहुत हिल पर होगा तो हो सकता है कि ज्यादा भी हो। हाई पावर का रेंज 70 से 80 किलो-मीटर के दरमियान होगा।

श्री सत्य नारायण जटिया : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बघाई तो जरूर देता, लेकिन उज्जैन का नाम न दिखाई देने पर मैं थोड़ा रुक गया।

अध्यक्ष महोदय : रिजर्वेशन कर रहे हैं।

श्री सत्य नारायण जटिया : मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि हाई पावर ट्रांसमीटर लगाकर उज्जैन को कवर करने का आश्वासन दें तो वे बघाई के पात्र हैं ही। संभवतः उज्जैन हेड क्वार्टर है और वहां बहुत से जिले अनुसूचित जाति के हैं। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या उज्जैन को भी हाई पावर ट्रांसमीटर देने के लिए विचार करेंगे?

श्री एच० के० एल० भगत : मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि हर जगह हाई पावर ट्रांसमीटर लगाना न संभव है और न ठीक है। इन्दौर में एक हाई पावर ट्रांसमीटर लगाया जाएगा जो कि धार, खरगोन और देवास तथा उज्जैन को भी कवर करेगा।

श्री राम प्यारे पनिका : अध्यक्ष महोदय, सदन और देश को बड़ी प्रसन्नता है कि पूरे देश में साल भर के अन्दर 75 प्रतिशत आबादी दूर-दर्शन ट्रांसमीटर से कवर करने जा रहे हैं। इनके विभाग को एक सकुलर जारी हुआ था, जिसमें यह गाइडलाइन्स दी हुई थी कि किन-किन स्थानों को वरीयता दी जाएगी। पिछली

बार साठे जी, भूतपूर्व मन्त्री, से भी प्रश्न किया था, उन्होंने कहा था बैकवर्ड इलाका, ट्राइबल पोपुलेशन, इन्डस्ट्रियल बेल्ट और लेबर बेल्ट होगी वहां टी० वी० सेन्टर लगाएंगे। मिर्जापुर, चौपन, पिपरी, जहां उत्तर प्रदेश की दो-तिहाई बिजली होती है, वहां पर विभिन्न क्षेत्रों में तीन सुपर पावर स्टेशन्स हैं, कोयले का कारखाना है, ट्राइबल बेल्ट भी है। क्या मन्त्री महोदय पुरानी गाइडलाइन्स के आधार पर पिपरा और चौपन आदि जगहों पर टी० वी० सेन्टर लगाने का आश्वासन देंगे?

श्री एच० के० एल० भगत : अध्यक्ष महोदय, कई स्कीम्स का ज्ञान नहीं होता है, इसलिए मैं तीन स्कीम्स के बारे में बताना चाहता हूँ ताकि कोई गलतफहमी न रहे। एक तो वह जो मौजूदा स्कीम है, दूसरी रंगुलर स्कीम जो छोटे फाइव-ईअर-प्लान में मंजूर की गई थी और तीसरी इनसैट तथा चौथी स्पेशल प्लान। इन चार तरह की स्कीम्स से 70 प्रतिशत कवर होगी। इसके मुताबिक एक लाख से ज्यादा पोपुलेशन के जो टाउन्स हैं, उनको कवर किया गया है। इसके अलावा स्पेशल प्लान, जो भी आया है, उसमें स्ट्रेटजिक वार्डर टाउन्स को कवर किया गया है। जहां नए डवेलपमेंट्स हो रहे हैं, औद्योगिक क्षेत्र हैं, उनको कवर किया गया है, मेरा कहना है कि इससे 70 प्रतिशत आबादी कवर होगी। इससे बहुत से हमारे ट्राइबल डिस्ट्रिक्ट्स और दूसरे डिस्ट्रिक्ट्स भी कवर होंगे। टोटल कवरेज में कौन-कौन सी जगह और कौन-कौन कवर हो जाएगा, इसके बारे में सारा वर्क-आउट किया जा रहा है। इसके बारे में कोई भी माननीय सदस्य जानकारी चाहेंगे और कोई सुझाव देना चाहेंगे, हम उसका स्वागत करेंगे। इस बारे में उनसे मिलकर बातचीत करेंगे और जो अधिक से अधिक हो सकता है, उसको करने की कोशिश करेंगे।

श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं माननीय मंत्री महोदय

को बघाई देना चाहती हूँ कि देश की 70 प्रतिशत आबादी, कि कहां-कहां पर टी० वी० सैट्स खुलेंगे, इसकी एक लिस्ट हमारे सामने आई है। मंत्री महोदय बुन्देलखंड क्षेत्र से स्वयं ही परिचित हैं और उससे उनको गहरा संबंध है। छतरपुर में रेडियो स्टेशन भी हैं। छतरपुर अपनी संस्कृति, साहित्य, कला और इतिहास के क्षेत्र में अपना एक अलग ही स्थान रखता है। जो स्टेशन्स इन्होंने दिए हैं, वे 200-250 किलोमीटर से कोई नजदीक नहीं है। इस बारे में मैंने आपसे लिखित भी निवेदन किया है। क्या मैं मंत्री महोदय से यह उम्मीद करूँ कि छतरपुर को भी इस में शामिल करेंगे ?

अध्यक्ष महोदय : मंत्री जी ने निमंत्रण तो दे दिया है आने के लिए और बात करने के लिए। आप भी इन से बात कर लीजिये।

श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी : हमें प्रश्न का जवाब तो मिलना ही चाहिए। भटिंडा के लिए तो इन्होंने कह दिया है।... (व्यवधान) ...

श्री एच० के० एल० भगत : माननीया सदस्या ने जो प्रश्न उठाया है, उसके लिये इन्होंने पहले भी मुझे कहा है और मैं पहले भी निमंत्रण दे चुका हूँ। उनको भी मैं बुलाऊंगा और इस सिलसिले में बातचीत करूंगा।

SHRI N.K. SHEJWALKAR : I thank the hon. Minister for giving an assurance for opening a television centre at Gwalior when he came there last time. I also thank him for re-assuring it when I called on him three days ago. I want to submit two things only. The programme of carrying out the promise has not started. When is it going to start? Secondly, did he take into consideration that Gwalior is a famous place for music and art and with that respect is he going to arrange the programmes from Gwalior so that programmes can be developed and broadcast from Gwalior itself.

SHRI H. K. L. BHAGAT : Gwalior is also identified as one of the low power

transmitters and we will try to see—I do not want to commit any date—that it gets it as soon as possible. Gwalior has been brought to my notice by the hon. Members like Shri Madhavrao Scindia and several other organisations of Gwalior. We are trying to see what best can be done.

SHRI N. K. SHEJWALKAR : What about programmes from Gwalior.

SHRI H.K.L. BHAGAT : This is to be a relay centre. It will get the programmes when the relay centre begins.

Provision of Telephone Exchange and Post Office Within Every Five Kilometre Radius

*124 SHRI GHULAM RASOOL KOCHACK† :

SHRI B. V. DESAI :

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether Centre had embarked on an ambitious programme for providing one Telephone exchange and one post office within every five kilometre radius in the country by 1990;

(b) if so, the details of the same; and

(c) by what time this plan is likely to be started ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI VIJAY N. PATIL) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Does not arise.

SHRI GHULAM RASOOL KOCHAK : I would like to know whether any norms have been laid down for setting up of telephonic exchange and post offices and also whether these norms are universal in character and apply to all the States and also what is the position with regard to J & K State. It is not a fact that Jammu and Kashmir State despite its international position in